

प्रेषक,

एनएसओनपलच्याल,

प्रमुख सचिव,

उत्तर/चल शासन।

सेवामें,

जिलाधिकारी,

उधमसिंहनगर।

राजस्व विभाग

देहरादून: दिनांक 12 जुलाई, 2006

विषय:- श्री पूर्णानन्द तिवारी, धर्मार्थ आयुर्वेदिक औषधालय हेतु बाजपुर में पुराने अस्पताल (सफाखाना) की भूमि को पट्टे पर दिये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-285/11-आरओखाम/2006 दिनांक 30 मई, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय श्री पूर्णानन्द तिवारी धर्मार्थ आयुर्वेदिक औषधालय बाजपुर हेतु राजस्व अनुभाग-1 (उओप्रशासन) के शासनादेश संख्या-558/16(1)/73-रा-1 दिनांक 9 मई, 1984 तथा शासनादेश संख्या-1695/97-1-1(60)/93-रा-1 दिनांक 12-9-97 में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत तहसील बाजपुर के ग्राम मौनाइस्लामनगर के खसरा नं० 168/1 मध्ये 0.088 है० भूमि को वर्तमान बाजार मूल्य के दोगुना नजराना रु० 3,48,480-00 (रु० तीन लाख अड़तालीस हजार चार सौ अस्सी मात्र) एक मुश्त जमा करने के अतिरिक्त वर्तमान दर पर निकाली गयी मालगुजारी के बीस गुने के बराबर वार्षिक किराया रु० 44-00 (रु० चौबालीस मात्र) नियत करके निम्नलिखित शर्तों के अधीन पट्टे पर आवंटित करने की स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1) प्रश्नगत भूमि का उपयोग उसी कार्य विशेष के लिए किया जायेगा जिसके लिए स्वीकृत की गई है।
- (2) प्रश्नगत भूमि किसी व्यक्ति व संस्थान या संगठन को देचने/पट्टे पर देने अथवा किसी अन्य प्रकार से हस्तान्तरित करने का अधिकारी पट्टेदार को नहीं होगा। भूमि का उपयोग आवंटन के दिनांक से 03 (तीन) वर्ष की अवधि में पूर्ण कर लेना अनिवार्य होगा, अन्यथा आवंटन स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

 (2)

- (3) प्रश्नगत भूमि पट्टेदार को राजस्व विभाग के नियन्त्रणाधीन सरकारी सम्पत्ति के प्रथम से सम्बन्धित शासनादेश संख्या-150/1/85(24)-रा0-6 दिनांक 9 अक्टूबर, 1987 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत गवर्नमेन्ट ग्रान्ट्स एक्ट 1895 के अधीन पट्टा प्रथमतः 30 वर्षों के लिए होगा और पट्टेदार के लिए दो बार 30-30 वर्षों के लिए इसे नवीनीकरण कराने का विकल्प उपलब्ध होगा। सरकार को नवीनीकरण के समय लगान बढ़ाने का अधिकार होगा, जो पूर्व लगान के 1-1/2 गुना से कम नहीं होगा।
- (4) प्रश्नगत भूमि की आवश्यकता पट्टेदार को न रह जायेगी तो भूमि निर्माण ( Structure ) सहित राजस्व विभाग को वापस हो जायेगी, जिसके लिए का कोई प्रतिकर आदि देय न होगा।
- (5) यदि भूमि/भवन का परित्याग कर दिया गया हो अथवा न्यास का विघटन हो जाता है, तो भूमि/भवन सहित राज्य सरकार में सभी भागों से मुक्त निहित हो जायेगी।
- (6) आवंटन की अवधि समाप्त होने अथवा उपरोक्त शर्तों बिन्दु सं0 1 से 5 तक की किसी भी शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति में प्रश्नगत भूमि में निर्माण सहित राजस्व विभाग में निहित हो जायेगी जिसके लिये कोई प्रतिकर देय नहीं होगा।
- 2- उक्त आदेशों का तत्काल क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(एन0एस0नपलच्याल)  
प्रमुख सचिव।

संख्या एवं तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- आयुक्त, कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 3- श्री राधेश्याम शर्मा, प्रधानक न्यासी, श्री पूर्णानन्द तिवारी जनहितकारी न्यास, बाजपुर, उधमसिंहनगर।
- 4- निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल सचिवालय।
- 5- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सोहन लाल)  
अपर सचिव।